

## यूआईडीएसएसएमटी

### सीवरेज / मलजल उपचार परियोजनाएं: तकनीकी अनुमोदन के लिए डीपीआर निर्मित करने व प्रस्तुति के लिए प्रक्रिया

डीपीआर सीपीएचईईओ, शहरी विकास मंत्रालय द्वारा प्रकाशित सीवरेज और सीवेज ट्रीटमेंट पर मैनुअल में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार तैयार किया जाना चाहिए और इसमें नीचे दिए गए तकनीकी मूल्यांकन व क्लीयरेंस हेतु उल्लिखित विवरण को शामिल किया जाना चाहिए:-

#### **क. सामान्य:**

क्या इस उप-परियोजना पर समग्र सीडीपी शहर के हिस्से के रूप में विचार किया गया है? हां/नहीं

यदि हाँ, तो डीपीआर में निम्नलिखित को शामिल किया जाना चाहिए:

- i. 2001 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या और वर्तमान और भविष्य की रूपरेखा अवधि के अनुसार जनसंख्या।
- ii. शहर का वर्तमान हालात जैसे क्षेत्रफल, सीवर प्रणाली द्वारा कवर की गई जनसंख्या, सीवेज संग्रह, उपचार और निपटान, कम लागत में स्वच्छता, सेप्टिक टैंक आदि।
- iii. प्रस्तावित सीवरेज परियोजना के लिए औचित्य/आवश्यकता।
- iv. प्रस्तावित परियोजना क्षेत्र /आबादी जिसे सीवरेज प्रणाली द्वारा कवर किया जाना है, सीवेज संग्रह, उपचार और निपटान, एलसीएस सेप्टिक टैंक आदि, प्रस्तावित परियोजना, घरों की संख्या, एलसीएस शौचालयों की संख्या, सेप्टिक टैंक, आदि
- v. वर्तमान व भविष्य में औद्योगिक व वाणिज्यिक अपशिष्ट के संग्रह, उपचार और निपटान की व्यवस्था,
- vi. मिट्टी की विशेषताएँ, स्थलाकृति, भूविज्ञान आदि।
- vii. विभिन्न मौसमों में भूजल स्तर।
- viii. जल निकायों का विवरण जैसे की तालाब, झील, नहरें, नदी, समुद्र आदि।

ix. उपचार संयन्त्रों, पंपिंग स्टेशनों, निपटान स्थलों, आदि के लिए भूमि की उपलब्धता और विभिन्न इकाइयों के लिए आवश्यक भूमि को प्राप्त करने के लिए कारवाई योजना ।

डीपीआर द्वारा कुछ और भी मुद्दों का समाधान हो सकता है जैसे की,

- i. प्रणाली को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अपेक्षित राजस्व उत्पन्न करने के लिए संग्रह तंत्र जिससे शुरुआत में ओ और एम के व्यय को पूरा किया जा सके और भविष्य के निवेश को पूरा करने के लिए पर्याप्त राजस्व उत्पन्न करने के लिए।
- ii. शहरी स्थानीय निकाय के राजस्व और व्यय के पिछले पाँच वर्षों के रिकार्ड और विशेष रूप से जल आपूर्ति व स्वच्छता सेवाओं के।
- iii. यूएलबी/शहरी स्थानीय निकाय में पर्याप्त प्रशिक्षित जनशक्ति की उपलब्धता, संस्थागत क्षमता निर्माण आदि।
- iv. उपयुक्त प्रयोगशाला सुविधाओं की उपलब्धता के साथ में प्रशिक्षित प्रयोगशाला कर्मों व साथ में प्रयोगशाला उपकरण।
- v. यदि आवश्यकता हो तो, पर्यावरण प्रभाव आकलन।
- vi. सीपीसीबी/एसपीसीबी द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार उपचरित अपशिष्ट जल के निपटान हेतु राज्य राज्य प्रदूषण नियंत्रण प्राधिकरण से एनओसी /सहमति।
- vii. अनुदान के पैटर्न, वित्तीय चरणबद्धता आदि
- viii. पीईआरटी चार्ट के साथ कार्यान्वयन की अवधि।

### **ख. तकनीकी:**

विस्तृत अनुमान निम्नलिखित के आधार पर परियोजना रिपोर्ट में तैयार और प्रस्तुत किया जाना चाहिए:

- i. डीपीआर तैयार करने के लिए शहरी विकास मंत्रालय द्वारा प्रकाशित सीवरेज और सीवेज ट्रीटमेंट पर मैनुअल (1993 में 2 संस्करण) का उपयोग किया जा सकता है।
- ii. परियोजना क्षेत्र का विस्तार से सर्वेक्षण किया जाना चाहिए और लेआउट योजना और नेटवर्क योजनाओं को पैमाने के अनुसार आरएल को 30 मीटर के अंतराल पर और नोड संख्या, लिंक संख्या आदि को दर्शाया जाना चाहिए।
- iii. कंप्यूटर सॉफ्टवेयर का उपयोग कर सीवर नेटवर्क के डिजाइन।

- iv. शहर का नक्शा, कंटूर नक्शा, सूचकांक का नक्शा, कुंजी योजना, योजनाबद्ध आरेख, सीवर नेटवर्क के आरेख, सीवेज उपचार संयंत्र के चित्र ।
- v. 24 घंटे के समग्र नमूने के विश्लेषण के आधार पर सीवेज की विशेषताएँ।
- vi. शहर में जल आपूर्ति का वर्तमान सेवा स्तर और जानना की क्या प्रति व्यक्ति जल आपूर्ति पानी ले जाने की प्रणाली के लिए पर्याप्त है; यदि नहीं, तो इसे सुधारने की कारवाई योजना डिजाइन अवधि के दौरान।
- vii. मुख्य विशेषताएँ जैसे कि उत्पादित अपशिष्ट पानी की मात्रा, डिजाइन के मापदंड, प्रकार, आकार, पंपिंग उपकरण का विवरण, विभिन्न इकाई आपरेशन आदि।
- viii. क्या म्युनिसिपल उप-नियम घरों को सीवर कनेक्शन लेने के लिए प्रेरित करने के लिए पर्याप्त हैं।
- ix. वैकल्पिक सीवेज उपचार के लिए विकल्प और चयन के लिए उपयुक्त विकल्प ।
- x. सीवेज उपचार की इकाई आपरेशन का गया विकल्प जो पूंजी की बचत व ओ एंड एम की लागत व संभव उप-उत्पाद वसूली को ध्यान में रख कर चुना गया है।
- xi. उपचार के बाद प्रवाह के निपटान का तरीका।
- xii. उपचारित प्रवाह को विभिन्न लाभकारी गैर-पेय जल संबंधी उपयोग के लिए पुनः चक्रित व पुनः उपयोग।
- xiii. राजस्व अर्जित करने के लिए कोई प्रस्ताव, यदि कोई हो जिससे खाद, सीवेज गैस आदि को उपयोग में लिया जा सके।